

**आमद स्त्री.** (फा.) 1. आगमन, आना प्रयो. इस बार फसल की आमद बहुत अच्छी है।

**आमदनी स्त्री.** (देश.) ऐसी भूमि, जिस में शीत ऋतु में धान बोया जाता है।

**आमदनी स्त्री.** (फा.) 1. आय, प्राप्ति, आने वाला धन 2. आयात, अन्य देश से आने वाला माल विलो. रफतनी।

**आमदोखर्च पुं.** (फा.) आय और व्यय, आमदनी और खर्चा, प्राप्त धन और खर्च।

**आमदोरफत स्त्री.** (फा.) आना-जाना, अनमनापन।

**आमना-सामना पुं.** (देश.) 1. भेंट 2. मुकाबला पुं. हल्दी घाटी में मुगल सेना और मेवाड़ी सेना का आमना-सामना हुआ था।

**आम निर्वाचन पुं.** (अर.+तत्.) दे. आम चुनाव।

**आमने-सामने पुं.** (देश.) 1. एक-दूसरे के समक्ष 2. एक-दूसरे के मुकाबले।

**आमपाक पुं.** (तत्.) 1. शोथ या जलोदर नामक रोग का आरंभिक रूप 2. फोड़े आदि को पकाने का एक उपाय।

**आमभृष्ट वि.** (तत्.) थोड़ा भुना हुआ, थोड़ा पकाया गया।

**आम मुख्तारनामा पुं.** (अर.+फा) 1. अपने अधिकार किसी अन्य को इस प्रकार सौंपना कि वह अदालती कार्रवाई कर सके 2. अधिकार सौंपने का लिखित पत्र। general power of attorney

**आमय पुं.** (तत्.) 1. रोग, बीमारी 2. क्षति 3. अजीर्ण 4. कूट नामक औषधि।

**आमरण पुं.** (तत्.) मृत्युपर्यंत, जीवन के अंत तक।

**आमरणांत वि.** (तत्.) मृत्युपर्यंत रहने वाला, मृत्यु के बाद ही जिसका अंत हो।

**आमरषि क्रि.वि.** (तत्.) क्रोध करके, क्रोध के आवेश में, क्रुद्ध होकर, गुस्से में

**आमरस पुं.** (तत्.) दे. अमरस।

**आमर्द वि.** (तत्.) रगड़ा हुआ, दबाया हुआ।

**आमर्दकी स्त्री.** (तत्.) 1. आंवला, आमलकी, आमला 2. फाल्गुन शुक्ल एकादशी।

**आमर्दन पुं.** (तत्.) जोर से मलना, खूब पीसना या रगड़ना।

**आमर्ष पुं.** (तत्.) 1. क्रोध, कोप, गुस्सा 2. सहन-शीलता का अभाव 3. रस में एक संचारी भाव। दे. अमर्ष।

**आमलक पुं.** (तत्.) आंवला, आमला, धात्रीफल।

**आमलकी स्त्री.** (तत्.) 1. छोटा आंवला, आंवली 2. फाल्गुन सुदी एकादशी की संक्षिप्ति।

**आमलकी एकादशी स्त्री.** (तत्.) फाल्गुन शुक्ल एकादशी, आमलक वृक्ष में विष्णु और लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसी वृक्ष के नीचे पूजा के उपरांत, आमलकी एकादशी का व्रत तोड़ा जाता है।

**आमला पुं.** (तत्.) दे. आंवला।

**आमलेट पुं.** (अं.) अंडे का बना चीला या चिल्ला।

**आमवात पुं.** (तत्.) आयुर्वेद के अनुसार, 'आम' दोष से उत्पन्न रोग, इस रोग के कारण शरीर सूज कर पीला पड़ जाता है। शरीर की संधियों में दर्द और जकड़न का आभास होता है।

**आमशूल पुं.** (तत्.) आंव के कारण पेट में (मरोड़ का) दर्द, वायु गोले का दर्द।

**आमश्राद्ध पुं.** (तत्.) ऐसा श्राद्ध जिसमें पिंडदान करवाने के लिए ब्राह्मणों को कच्चा (बिना पका) अन्न दान दिया जाता है।

**आमाझोर क्रि.वि.** (देश.) बहुत वेग से, काफी तेज वि. आमझोर हवा, ऐसी हवा जिस के वेग से वृक्षों से आम टूट-टूट कर गिर जाएँ।

**आमातिसार पुं.** (तत्.) आयु. ऐसा रोग जिसमें मल के साथ रक्त भी गिरता है, आँव, पेटिश, खूनी दस्त।

**आमात्य पुं.** (तत्.) अमात्य का या उस से संबंधित दे. अमात्य।